स्रोतः 1993-94, 1994-95, 1995-96 और 1996-97 (अप्रैल-जुलाई) के लिए डीजीसीआई एंड एस० 1996-97 के लिए सम्पूर्ण आंकड़े अभी डीजीसीआई एंड एस द्वारा पूरे किए जाने बाकी है।

(ग) तथा (घ) स्वर्णाभूषण भारत सरकार द्वारा एक अत्यन्त ध्यान देने योग्य उत्पाद के रूप में अभिज्ञात किये गये है और यह हमारे निर्यातों का एक ग्रस्ट क्षेत्र है। तदनुसार, सरकार ने इस क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए है, जिनमे शामिल हैः निर्यात आयात नीतियों की अच्छी ट्यूनिंग, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर कच्चे माल की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित कराना; निर्यातकों को स्वर्ण की उपलब्धता बढ़ाना; निर्यातकों को अन्तर्राष्ट्रीय स्वर्ण प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना तथा बाजार विकास और संवर्धनात्मक क्रियाकलापों के लिए रत्न तथा आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद् को अनुदान देने सहित आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना।

## सब्जियों और फलों के निर्यात के लिए निगम की स्थापना किया जाना

3207. **श्री ईश दत्त यादवः** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार सब्जियों और फलों के निर्यात करने के प्रयोजन से किसी निगम की स्थापना करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये है?

**वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया):** (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

## निर्यातोन्मुख औद्योगिक इकाइयों का योगदान

3208. **श्री राम जेठमलानी:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1995-96 के दौरान देश में निर्यातोन्मुख औद्योगिक इकाइयों द्वारा देश के कुल आयात-निर्यात व्यापार का मात्र नौ प्रतिशत व्यापार किया गया;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या है और वर्ष 1995-96 के दौरान उक्त इकाइयों द्वारा कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई थीं; और

(ग) क्या यह भी सच है कि निर्यातोन्मुख इकाइयां होने के कारण ये इकाइयां सरकार से अनेक रियायतें भी प्राप्त कर रही है, यदि हां, तो उक्त वर्ष के दौरान इन्हें कुल कितनी धनराशि की रियायतें प्रदान की गई?

**वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया):** (क) और (ख) निर्यातोन्मुख एककों ने वर्ष 1995-96 के दौरान देश में कुल आयात-निर्यात व्यापार का 4.67% व्यापार नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार किया है:—

(रुपए करोड़ों में)

| | निर्यात | आयात | कुल |
|---|---|---|---|
| भारत | 106,469 | 121,647 | 228,116 |
| निर्यातोन्मुख एकक | 6,999 | 3,652 | 10,651 |

निर्यातोन्मुख एककों ने वर्ष 1995-96 के दौरान 6999 रु० की विदेशी मुद्रा अर्जित की थी।

(ग) इन एककों को उपलब्ध मुख्य वित्तीय रियायतों में शामिल हैं-पूंजीगत सामान, कच्चा माल और उपभोक्ता वस्तुएं शुल्क मुक्त मिलना और कार्यचालन के प्रथम 8 वर्षों के दौरान 5 वर्ष की अवधि के लिए निगमित कर से छुट्टी मिलती है। चूंकि निर्यात उत्पादन के लिए निविष्टियों पर शुल्क उद्ग्रहणीय नहीं है इसलिए इन वर्षों के दौरान बदलते शुल्क ढांचे को ध्यान में रखते हुए, राशि का अनुमान लगाना कठिन होगा।

## Export Oriented Units

3209. SHRI V. RAJESHWAR RAO: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the number of 100% export oriented floriculture units in our country;

(b) the total quantities of their exports and their exports earnings;

(c) the response of farmers to Government's efforts to encourage floriculture; and

(d) the details of additional efforts to be made by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULI RAMAIAH): (a) At present there are 21 export oriented floriculture units in the country.

(b) Value of goods exported by these units amounted to Rs. 14.31 crores during the last 3 years. Information regarding quantity of goods exported is not available.

(c) In view of the export potential of floriculture products, entrepreneurs are showing much interest to set up floriculture exporting units, as in evident from the upward trend in number of approvals being sought for setting up floriculture units under the EOU scheme.

(d) The Government of India have already allowed setting up of floriculture export oriented units without any formal bonding. Such units are allowed duty free access to capital goods, raw material and consumable and can sell 50% of their production in domestic market subject to achieving positive foreign exchange earnings. In addition in respect of EOUs holding status of Export House, if exports of floriculture products constitute 10% or more of total exports made, 1% additional Special Import Licence is being given on the total value of exports.

**Export of Tea and other Plantations**

3210. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether export of tea and other plantation items has stagnated in the recent past;

(b) if so, the total quantity of these items exported and the foreign exchange earned therefrom during each of the last three years, country-wise;

(c) whether Government have examined the slump prevailing in these industries;

(d) if so, the details thereof; and

(e) the steps taken by Government to boost the production and export of these items;

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULI RAMAIAH): (a) Coffee exports have not stagnated in the recent past. However, exports of tea from April 1996 to February 1997 have been less, compared to the same period of previous year, on account of fall in exports to Russia and Poland.

(b) Country-wise details of export of various commodities are available in the monthly publication "Foreign Trade Statistics of India" published by the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) , Calcutta, copies of which are available in the Parliament Library.

(c) and (d) Do not arise as there is no slump in the tea and coffee industry in the country.

(e) The concerned Commodity Boards are implementing various developmental schemes to encourage activities such as replantation, extension planting and research to enhance production. Steps taken to increase exports include participation in trade fairs/exhibitions abroad, conducting publicity campaigns, market surveys, holding buyer seller meets, promoting brands etc.

**Export of Rice**

3211. SHRI BANGARU LAXMAN:
SHRIMATI JAYANTI PATNAIK:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the details of different varieties of rice exported during the last three years country-wise, year-wise;

(b) the amount of foreign exchange earned thereby;

(c) the quantum of rice to be exported